हिन्दी दिवस समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह: रिपोर्ट

आज दिनांक 20 सितंबर 2024 को राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में हिंदी पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर क्षिति भूषण दास द्वार दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा भीष्म साहनी कृत चीफ की दावत कहानी का नाट्य मंचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति ने कहा कि हिंदी सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक भाषा है जो अनेक भाषाओं के शब्दों को अपनाए हुए है। आगे उन्होंने कहा कि भाषिक और सांस्कृतिक विविधता होने के बावजूद देश को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा हिंदी ही है, इसलिए हमे हिंदी को राष्ट्रीय पहचान के रूप में ग्रहण करना चाहिए। स्वागत वक्तव्य देते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संकायाध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार ने कहा कि राजभाषा दिवस के रूप में हिंदी के साथ साथ हमें अन्य मातृभाषाओं को भी बराबर महत्व देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रभारी हिंदी अधिकारी डा उपेंद्र कुमार ने विश्विद्यालय हिंदी गौरव सम्मान की घोषणा की। श्री रामनिवास सुथार को अपनी कार्यशैली में अधिक से अधिक हिंदी माध्यम का प्रयोग करने के लिए यह सम्मान माननीय कुलपति द्वारा प्रदान किया गया। पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया और शेष को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर भगवान सिंह, डा शशि सिंह, डॉ के बी सिंह, डा रत्नेश मिश्र, डॉ बटेश्वर सिंह, डॉ विजय यादव तथा अन्य प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी अंशु तथा अभिषेक ने किया और धनबाद ज्ञापन उपकुलसचिव अब्दुल हलीम ने किया।

हमारे देश को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा है हिंदी : कुलपति

विजेताओं को पुरस्कृत करते कुलपति .

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सीयूजे राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ. मौके पर हिंदी विभाग के विद्यार्थियों द्वारा भीष्म साहनी कृत चीफ की दावत कहानी का नाट्य मंचन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ क्षिति भूषण दास ने कहा कि हिंदी सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक भाषा है, जो कई भाषाओं के शब्दों को अपनाये हुए है. उन्होंने कहा कि भाषा और सांस्कृतिक विविधता होने के बाद भी देश को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा हिंदी ही है. इसलिए हमें हिंदी को राष्ट्रीय पहचान के रूप में ग्रहण करना चाहिए. डीन प्रो मनोज कुमार ने कहा कि राजभाषा दिवस के रूप में हिंदी के साथ-साथ हमें अन्य मातृभाषाओं को भी बराबर महत्व देने की आवश्यकता है. प्रभारी हिंदी अधिकारी डॉ उपेंद्र कुमार ने विवि हिंदी गौरव सम्मान की घोषणा की. रामनिवास सुथार को अपनी कार्यशैली में अधिक से अधिक हिंदी माध्यम का प्रयोग करने के लिए कुलपति ने सम्मानित किया. कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिये गये. वहीं अन्य प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये गये. संचालन शोधार्थी अंशु व अभिषेक ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन उपकुलसचिव अब्दुल हलीम ने किया. इस अवसर पर प्रो भगवान सिंह, डॉ शशि सिंह, डॉ केबी सिंह, डॉ रत्नेश मिश्र, डॉ बटेश्वर सिंह और डॉ विजय यादव आदि उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Saturday, September 21, 2024
Ranchi-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66edcecca329316d247884f2

प्रभात खबर 21.09.24

राम निवास सुथार को विश्वविद्यालय हिंदी गौरव सम्मान

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. क्षति भूषण दास के द्वारा जनसंचार विभाग के जनसंचार तकनीकी सहायक राम निवास सुथार को विश्वविद्यालय हिंदी गौरव सम्मान 2024 दिया गया । श्री निवास ने कहा कि मैं इस सम्मान को प्राप्त करने पर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। विश्वविद्यालय स्तर पर हिंदी के महत्वपूर्ण उपयोग के लिए यह अवार्ड मेरे लिए एक बड़ा सम्मान है। मैं विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो. क्षति भूषण दास व अवार्ड कमेटी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। राम निवास राजस्थान के एक छोटे से गांव से एक किसान परिवार से हैं। पिछले 5 साल से झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग में कार्यरत हैं।

'देश को एक सूत्र में बांधती है हिन्दी'

रांची। केंद्रीय विवि झारखंड के राजभाषा प्रकोष्ठ और हिंदी विभाग की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा का समापन सह पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया गया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने कहा कि हिन्दी सबसे ज्यादा लोकतांत्रिक भाषा है, जो अनेक भाषाओं के शब्दों को अपनाए हुए है। कहा कि भाषा और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद देश को एक सूत्र में बांधने वाली भाषा हिन्दी ही है, हमें हिन्दी को राष्ट्रीय पहचान के रूप में ग्रहण करना चाहिए।

डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार ने कहा कि राजभाषा दिवस के रूप में हिंदी के साथ हमें अन्य मातृभाषाओं को भी बराबर महत्व देने की आवश्यकता है। मौके पर हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने भीष्म साहनी लिखित- चीफ की दावत कहानी का नाट्य मंचन किया। इसके बाद विवि हिंदी गौरव सम्मान- रामनिवास सुथार को अपनी कार्यशैली में अधिक से अधिक हिन्दी माध्यम का प्रयोग करने के लिए कुलपति की ओर से प्रदान किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, शेष को प्रमाणपत्र दिया गया।

दैनिक हिन्दुस्तान 21.09.24

झारखण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय
"हिन्दी के हम"
हिन्दी पखवाड़ा 2024
समापन व पुरस्कार वितरण समारोह
सह
चीफ़ की दावत नाटक का मंचन
अध्यक्षता
प्रो. क्षिति भूषण दास
कुलपति, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
दिनांक : 20 सितंबर , 2024 समय : 2:30 अपराह्
स्थान : शैक्षणिक परिसर सभागार, प्रथम तल
आयोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ व हिन्दी विभाग
www.cuj.ac.in
Designed by - R. Niwas Suthar, DMC

प्रमाण पत्र

आयोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ व हिन्दी विभाग
प्रमाण पत्र

ायोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ व हिन्दी विभाग
प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र

स्थान : शैक्षणिक परिसर सभागार, प्रथम तल
आयोजक : राजभाषा प्रकोष्ठ व हिन्दी विभाग